Front Page of Book

डॉ. निशंक के साहित्य में सामाजिक यथार्थ एवं युगबोध

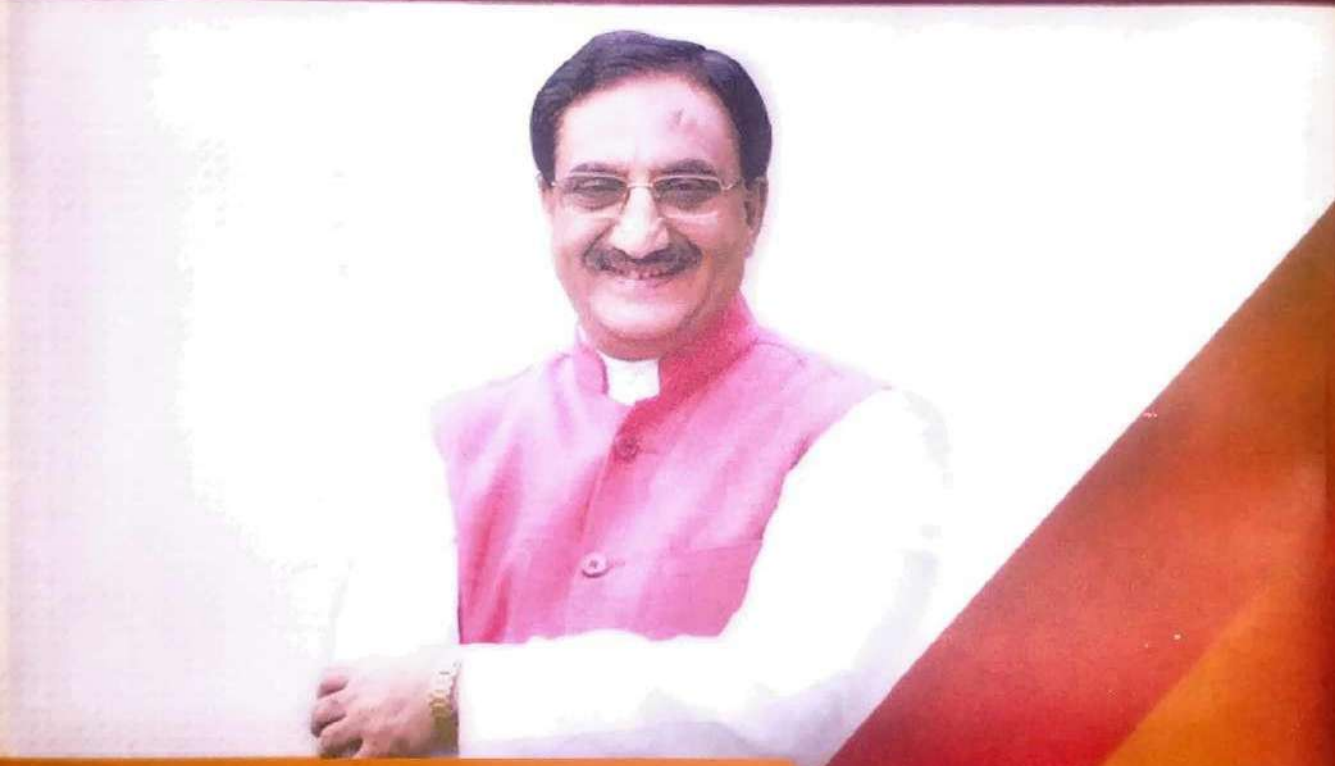

संपादक

डॉ. किरण खन्ना

Dr. Nishank ke Sahitya mai Samajik Yatharth Evam Yugbodh
By Dr. Kiran Khanna

ISBN : 978-93-91881-13-9

मुख्य वितरक
स्याही ब्लू बुक्स, दिल्ली
syahiblue.books@gmail.com

शाखा
अनंग प्रकाशन / ठा. गजराज सिंह, भगतपुर,
पोस्ट - भगतपुर, जिला- अलीगढ़ 203132 (उ.प्र.) भारत

अनंग प्रकाशन

फोन नं. 09350563707, 9540176542

सर्वाधिकार : संपादक

प्रथम संस्करण : 2022
मूल्य : 595 रुपये
ई-मेल : anangprakashan@gmail.com
anangbooks@gmail.com

अनंग प्रकाशन, बी-107/1, गली मन्दिर वाली, समीप रबड़ फैक्ट्री, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-110053, शब्द-संयोजन : सिद्ध-भभूति ग्राफिक्स, दिल्ली- 110053, मुद्रक : राजोरिया प्रिन्टर्स, दिल्ली-32 से मुद्रित।

First Page of Published Chapter “Waah Zindagi" kahaniSanghreh ki Chaynit kahaniyon ka Shailivigyanik Vishleshan”

'वाह जिन्दगी' कहानी-संग्रह की चयनित कहानियों का शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण

डॉ. सरोज बाला

प्रतिष्ठित एवं संवेदनशील साहित्यकार डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' का कहानी-संग्रह 'वाह जिन्दगी'[1] मनुष्य-जीवन के उतार-चढ़ाव, प्रतिकूल व अनुकूल परिस्थितियों, नकारात्मक व सकारात्मक मानवीय मानसिकता, तनाव, अलगाव, अजनबीपन, जैसी विसंगतियों, नारी-सशक्तिकरण, विविध सामाजिक समस्याओं को दर्शाने वाला जीवन्त दस्तावेज है। इस संग्रह में संकलित बीस कहानियों में कहानीकार के सामाजिक, मानवतावादी, आध्यात्मिक, राजनीतिक आदि क्षेत्रों में गहन अनुभव, विशिष्ट सृजनात्मकता साहित्य एवं भारतीय संस्कृति के प्रति लगाव, राष्ट्रीय भावना आदि बहुमूल्य गुण परिलक्षित होते हैं। इन कहानियों के कथा-कलेवर, परिवेश एवं भाषा-शैली को देखकर अनुभव होता है कि जैसे इनमें मेरी स्वयं की या मेरे इर्द-गिर्द के समाज की घटनाएँ हैं। कहानीकार पाठक को साधारणीकरण की अवस्था में पहुँचा देता है। इस कहानी-संग्रह की समस्त कहानियाँ अपने-आप में उच्च-कोटि का उद्देश्य, संदेश, प्रयोजन एवं सकारात्मक मानसिकता लेकर प्रस्तुत हुई हैं।

कहानी-संग्रह की प्रथम कहानी 'वाह जिन्दगी' महानगरों में रहने वाले तनावग्रस्त मनुष्यों को जीवन की वास्तविक सच्चाई बताकर खुले मन से अपनी जिन्दगी जीने की प्रेरणा देती है तो 'वापसी' कहानी नारी-सशक्तिकरण और औरत को अपने अधिकारों के साथ कर्त्तव्य पालन के लिए प्रोत्साहित